Expt. No. / Name M.R. Ansari I C-3 Date / / Page No.

विचार - विमर्श (Discussion)

⇒ विचार - विमर्श पूर्णतया प्रजातान्त्रिक सिद्धांतों पर आधारित है।

⇒ विचार - विमर्श कोई व्यर्थ का वाद - विवाद या एक - समूह में बैठे व्यक्तियों द्वारा एक दूसरे पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने में औचित्य से किया जाने वाला तर्क - वितर्क नहीं है बल्कि विचार - विमर्श शिष्ट, तार्किक एवं ज्ञानयुक्त विचारों का आदान - प्रदान है, जोकि सुनियोजित रूप से किसी प्रकरण या समस्या से सम्बन्धित सभी पक्षों पर उसका निष्कर्ष प्राप्त करने या समाधान ढूंढने के उद्देश्य से किया जाता है।

⇒ विचार - विमर्श चिंतन स्तर (Reflective Level) का शिक्षण कराती है।

Merits of Discussion (विचार - विमर्श के गुण)

[1] विचार - विमर्श में प्रत्येक छात्र कक्षा का सक्रिय सदस्य रहता है।

[2] विचार - विमर्श से छात्रों में चिन्तन तथा तर्क - शक्ति का विकास होता है।

[3] विचार - विमर्श स्वतन्त्र अध्ययन पर बल देती है।

Teacher's Signature : M.R. Ansari

Navneet

M.R. Ansari

II C-3

[4] विचार-विमर्श प्रजातान्त्रिक सिद्धान्त पर आधारित है।

[5] विचार-विमर्श छात्रों को विषय-वस्तु का चयन तथा संगठन करना सिखाती है।

[6] छात्रों में अपने विचारों को सुस्पष्ट रूप से प्रस्तुत करने की योग्यता का विकास होता है।

[7] छात्रों में एक दूसरे की भावनाओं का आदर करने तथा परस्पर विरोधी विचारों को स्वीकार करने की आदत का विकास होता है।

[8] छात्रों में समालोचनात्मक चिन्तन का विकास होता है। (Critical Thinking)

Limitations of Discussion [redacted]
विचार-विमर्श की सीमाएँ

⇒ विचार-विमर्श से अध्ययन करने में समय अधिक लगता है।

⇒ विषय-वस्तु के सभी भागों का अध्ययन विचार-विमर्श से नहीं किया जा सकता।

⇒ विचार-विमर्श का संचालन ठीक न होने पर कुछ ही छात्रों का एकाधिकार (Monopoly) हो जाता है।

⇒ निरर्थक बातों (Pointless things) पर भी विचार-विमर्श हो जाता है जिससे समय नष्ट होता है।

⇒ छात्रों में आपसी मतभेद व ईर्ष्या-द्वेष की भावना भी विकसित हो सकती है।

M.R. Ansari

III C-3

Expt. No. / Name :

Date ___/___/___
Page No. ___

Precautions In Discussion
विचार-विमर्श में सावधानियाँ

[1] विचार-विमर्श हेतु रुचिकर एवं ऐसे विषय लिए जाएँ, जिन पर छात्र आसानी से तथ्य संग्रह कर सकें।

[2] विचार-विमर्श की तैयारी उचित ढंग से की जानी चाहिए।

[3] विचार-विमर्श के संचालन में यह देखा जाए कि विचार-विमर्श उद्देश्योन्मुखी रहे।

[4] तथ्य ज्ञान के साथ तर्कशक्ति एवं निर्णय लेने की क्षमता के विकास पर बल दिया जाए।

[5] विचार-विमर्श का मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ तरीके से किया जाए।

[6] छात्रों के साथ-साथ अध्यापक को भी विचार-विमर्श के दौरान सक्रिय रहना चाहिए।

M.R. Ansari

Teacher's Signature : ___________

Navneet